Title: Need to restart the cement units of Cement Corporation of India in Bihar and Madhya Pradesh.

श्री ब्रजमोहन राम (पलामू) : सभापति महोदय, मैं बिहार के पलामू जिले से आता हूं। मेरे संसदीय क्षेत्र चपरा में एक सीमेंट का कारखाना सात सालों से बंद पड़ा है। उसमें कार्यरत मजदूर भूखों मर रहे हैं। लोग वहां से पलायन करने के लिए बाध्य हो गये हैं। बिहार सरकार के सामने भी हमने कई बार इस मामले को उठाया था और यह प्रयास किया था कि उस कारखाने को पुनः जीवित किया जाये लेकिन अभी तक बिहार सरकार ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया। हम केन्द्र सरकार से मांग करते हैं कि उस कारखाने को अविलम्ब खुलवाने का प्रयास किया जाये जिससे वहां लाखों लोगों को बचाया जा सके। उनके बाल-बच्चों को जिंदा रखा जा सके।

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर) : सभापति जी, सीमेंट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया के कुप्रबंध के कारण व उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों के निरंतर भ्रष्टाचार में संलिप्त होने के कारण सीमेंट इकाइयां बंद होती जा रही हैं। वर्तमान में सीमेंट कार्पोरेशन की छह इकाइयां बंद हो गई हैं तथा अन्य इकाइयां भी बंद होने के कगार पर हैं। कोयला ठेके पर भारी अनियमितता एवं पक्षपात, मध्य प्रदेश के नये गांव स्थित इकाइयों में तांबे के तारों की चोरी, कच्चा माल, पत्थर ढुलाई के ठेके में अनियमितता आदि कई ऐसे कारण हैं जो कार्पोरेशन को निरंतर घाटे की ओर ले जा रहा है। हजारों मजदूर बेरोजगार हो गये हैं । मेरा उद्योग मंत्री से आग्रह है कि वे सीमेंट कार्पोरेशन के कार्यकरण को देखें और उसमें सुधार करने का प्रयत्न करें ताकि उक्त इकाइयों को बंद होने से रोका जा सके और कुप्रबंध समाप्त हो।

डा. उल्हास वासुदेव पाटील (जलगांव): मैं भी इसका समर्थन करता हूं। ... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठिये।

... (व्यवधान)

श्री राजवीर सिंह (आंवला): सभापति जी, सी.सी.आई. के मामले में

... (व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH-WEST): Sir, `Zero Hour' is going on but no Cabinet Minister is present in the House. At least, during the time of `Zero Hour', there should be a Cabinet Minister present in the House. Only a Minister of State is present now.

सभापति महोदय : दो-दो मिनिस्टर्स हैं

... (व्यवधान)

श्री राजवीर सिंह : सभापति जी, मेरा सवाल है।

सभापति महोदय : आपका भी समर्थन है। ठीक है, अब आप बैठ जाइये।

... (व्यवधान)

श्री राजवीर सिंह : सभापति जी, मैं कुछ और बोलना चाहता हूं।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : अब आप बैठ जाइये।

... (व्यवधान)

एक माननीय सदस्यः सभापति जी, हम लोग जीरो ऑवर में जो सवाल उठाते हैं, उसका कोई जवाब नहीं मिलता है।

... (व्यवधान)

जवाब न मिलने से कुछ पता नहीं चलता है। ... (व्यवधान)

श्री प्रभुदयाल कठेरिया (फिरोजाबाद) : माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से अपने संसदीय क्षेत्र फिरोजाबाद की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। ... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बीच में कहां से बोल रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री राजो सिंह (बेगूसराय): सभापति जी, हमने टेलीफोन कनेक्शन के बारे में ... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठिये।

... (व्यवधान)